

GVT's Wasteland Agriculture Development Initiative (WADI) brings a Wave of Transformation in the lives of farmers in Ratlam, Madhya Pradesh

Gramin Vikas Trust has been able to convert a barren land of Bajna Development Block, Ratlam in Madhya Pradesh, through WADI Programme, empowering about 1200 farmers economically.

[Press Clipping has been attached for reference as below.](#)



वेस्ट लैंड एग्रीकल्चर डेवलपमेंट के प्रयास से बदली किसानों की जिंदगी बंजर भूमि पर बिछाई हरियाली

» पौधों की बच्चों की तरह कर रहे देखभाल » 1200 किसानों को मिला लाभ » अदरक-हल्दी और सब्जियां भी



रतलाम स्थित बाजना रोड पर वेस्ट लैंड एग्रीकल्चर डेवलपमेंट की पहल के पूर्व इस तरह दिखती थी बंजर भूमि (पहला चित्र), दूसरे चित्र में 'वाडी' के अस्तित्व में आने के बाद चहुँपकर हरियाली दिखती है।

रतलाम। वेस्ट लैंड एग्रीकल्चर डेवलपमेंट (वाडी) ने किसानों की बंजर जमीन का रूप बदलकर उसे हरियाली की चादर से आच्छादित कर दिया है। ये फलदार पौधे अब उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त भी कर रहे हैं। बाजना विकासखंड में जीवीटी (ग्रामीण विकास ट्रस्ट) के सहयोग से 'वाडी' ने किसानों के सपनों को पंख लगा दिए हैं। किसान भी जीवीटी के सहयोग से पौधों की बच्चों की तरह देखरेख कर पौधों का रूप देने में लगे हैं।

वर्ष 2009-10 में 'वाडी' ने प्रथम चरण में बाजना विकासखंड में 2000 एकड़ भूमि पर जैविक वाडी विकसित कर किसानों को लाभान्वित किया। इसी प्रकार 2012-13 में योजना का दूसरा चरण शुरू हुआ। इसमें भी किसानों ने आगे आकर लाभ लिया। वर्षों से बंजर भूमि वर्तमान में हरियाली से आच्छादित है।

रोपते हैं फलदार पौधे

परियोजना अधिकारी हरीश गंगवार ने बताया कि वाडी का निर्माण दो प्रकार से किया जाता है। शुरुआत में एक एकड़ भूमि पर आम के 42, जामफल के 10 पौधे लगाए जाते हैं। दूसरी वाडी में एक एकड़ भूमि पर आम के 20, जामफल के 16 और नींबू के 8 पौधे लगाए जाते हैं। शेष भाग में नीचे अदरक या हल्दी लगाई जाती है और ऊपर बेलवाली सब्जियां जैसे लौकी, मिलाकी, करेला आदि लगाई जाती हैं।



पर्यावरण के प्रहरी

गुजरात के आम, यूपी के जामफल

परियोजना अधिकारी श्री गंगवार ने बताया कि वाडी के तहत किसानों को आम और जामफल के पौधे ही दिए जाते हैं। आम के पौधे गुजरात से खरीदे जाते हैं, वहीं जाम के पौधे यूपी और इलाहाबाद से मंगवाए जाते हैं। एक वाडी पर पौधे वृक्ष का रूप



आम के छोट-से पौधे पर लगी करिया दिखाते श्री गंगवार।

लेने के बाद किसानों के लिए अधिकतम 1000 रूपए की आमदानी का सहारा बन जाते हैं। आम में दशहरी, सफेद इलाहाबादी, मल्लिका, बनराज, हापूस आदि प्रजातियों के पौधे लगाए जाते हैं। किसानों को देखभाल में जीवीटी पूरा सहयोग करती है। आवश्यकता होने पर मजदूरों के रूप में किसानों को राशि भी दी जाती है।

जैविक खाद का ही उपयोग

ग्रामीण विकास ट्रस्ट के क्षेत्रीय कार्यक्रम प्रबंधक दिनेश अग्रवाल ने बताया कि 'वाडी' तैयार करने के लिए किसानों से किसी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाता है। पौधारोपण के दौरान जीवीटी के पदाधिकारियों उपस्थित रहते हैं। पौधों को सुरक्षित रखने के लिए कवर्ड किया जाता है। पौधों की बढ़वार के लिए जैविक खाद का ही उपयोग किया जाता है। -निप्र

बदला जीने का अंदाज

ग्राम गढ़ावटिया के गंगाराम गलिया और

धामनिया के अम्बाराम कालुजी ने सहज भाव में ही कह दिया कि 'पहला तो खोटी ही बैठा रहता था, पन साब लोग ने काम दिल दिया है।'

गंगाराम और अम्बाराम के घर के आसपास खाली पड़ी जमीन पर अब धूल उड़ने के बजाय पौधों पर लगी करिया और जाम के हर-भरे पौड़े देखने को मिलते हैं। दोनों परिवारों का रहन-सहन पहले से काफी बदल गया है। वे धीरे-धीरे आर्थिक रूप से भी मजबूत हो रहे हैं।

सक्षम बना रही 'वाडी'

'वाडी' लगाने के लिए ग्राम स्तर पर तैयारियां की जाती हैं। परिवारों का सर्व कर बेटक के माध्यम से किसानों को परियोजना से अवगत कराया जाता है। 'वाडी' से होने वाले लाभ और योजना पर किसानों की सहमति मिलने के बाद ही प्रकल्प शुरू किया जाता है। पौधे, पानी व उनकी सुरक्षा जीवीटी द्वारा ही की जाती है।

-दिनेश अग्रवाल,
क्षेत्रीय कार्यक्रम प्रबंधक,
ग्रामीण विकास ट्रस्ट रतलाम